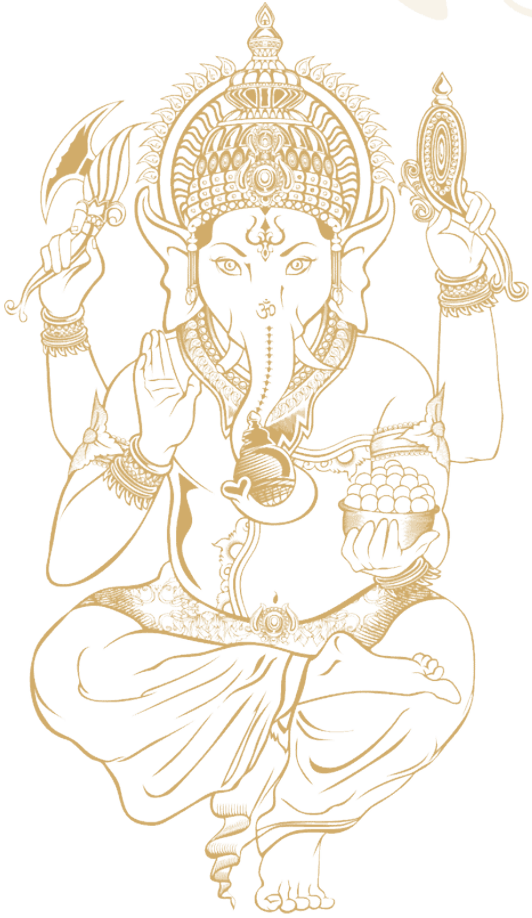

Rrr

12 May 1982

12:30 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121793706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/1982**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:30:11 घंटे**
इष्ट	17:18:50 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:59:39 घंटे
वेलान्तर	00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल	03:18:34 घंटे
सूर्योदय	05:34:38 घंटे
सूर्यास्त	19:19:37 घंटे
दिनमान	13:44:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:37:28 मेष
लग्न के अंश	02:14:12 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	साध्य
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	02:14:12	301:46:36	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	27:37:28	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	14:20:21	11:47:04	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	06:46:32	00:00:23	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृष	18:26:03	00:42:51	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	09:50:04	00:07:00	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:07:04	01:07:48	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	22:59:20	00:03:22	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	20:53:05	00:00:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	20:53:05	00:00:53	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	09:30:13	00:02:25	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	02:57:16	00:01:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	01:13:51	00:01:28	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			मेष	28:26:51	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:21

लग्न-चलित

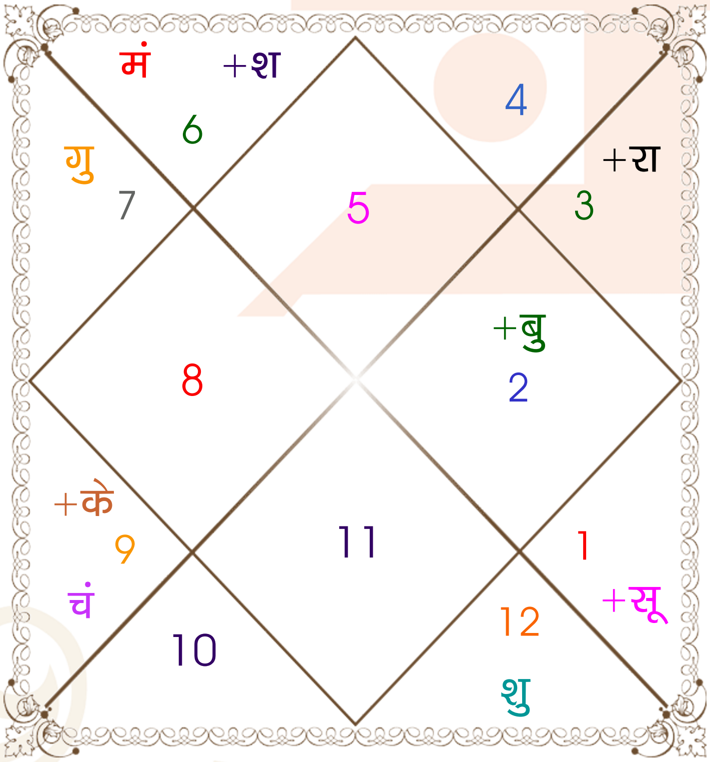

चन्द्र कुंडली

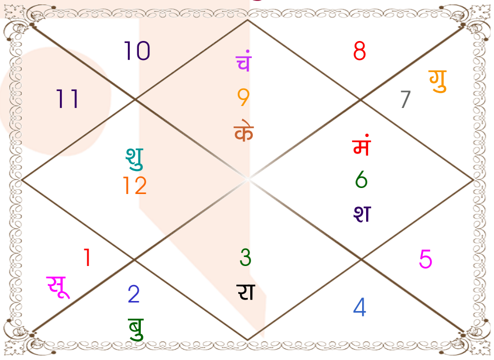

नवमांश कुंडली

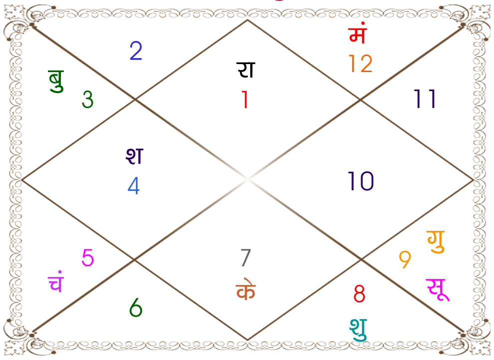

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 5 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
12/05/1982	**07/11/2000**	**07/11/2006**	**07/11/2016**	**08/11/2023**
07/11/2000	**07/11/2006**	**07/11/2016**	**08/11/2023**	**07/11/2041**
शुक्र 08/03/1984	सूर्य 25/02/2001	चंद्र 08/09/2007	मंगल05/04/2017	राहु 21/07/2026
सूर्य 09/03/1985	चंद्र 26/08/2001	मंगल08/04/2008	राहु 24/04/2018	गुरु 13/12/2028
चंद्र 07/11/1986	मंगल01/01/2002	राहु 08/10/2009	गुरु 30/03/2019	शनि 20/10/2031
मंगल08/01/1988	राहु 26/11/2002	गुरु 07/02/2011	शनि 08/05/2020	बुध 09/05/2034
राहु 07/01/1991	गुरु 14/09/2003	शनि 07/09/2012	बुध 06/05/2021	केतु 27/05/2035
गुरु 07/09/1993	शनि 26/08/2004	बुध 07/02/2014	केतु 02/10/2021	शुक्र 27/05/2038
शनि 07/11/1996	बुध 02/07/2005	केतु 08/09/2014	शुक्र 02/12/2022	सूर्य 21/04/2039
बुध 08/09/1999	केतु 07/11/2005	शुक्र 08/05/2016	सूर्य 09/04/2023	चंद्र 20/10/2040
केतु 07/11/2000	शुक्र 07/11/2006	सूर्य 07/11/2016	चंद्र 08/11/2023	मंगल07/11/2041

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
07/11/2041	**07/11/2057**	**07/11/2076**	**07/11/2093**	**08/11/2100**
07/11/2057	**07/11/2076**	**07/11/2093**	**08/11/2100**	**00/00/0000**
गुरु 26/12/2043	शनि 10/11/2060	बुध 06/04/2079	केतु 05/04/2094	शुक्र 13/05/2102
शनि 09/07/2046	बुध 21/07/2063	केतु 02/04/2080	शुक्र 05/06/2095	00/00/0000
बुध 14/10/2048	केतु 29/08/2064	शुक्र 01/02/2083	सूर्य 11/10/2095	00/00/0000
केतु 19/09/2049	शुक्र 30/10/2067	सूर्य 08/12/2083	चंद्र 11/05/2096	00/00/0000
शुक्र 20/05/2052	सूर्य 11/10/2068	चंद्र 09/05/2085	मंगल08/10/2096	00/00/0000
सूर्य 09/03/2053	चंद्र 12/05/2070	मंगल06/05/2086	राहु 26/10/2097	00/00/0000
चंद्र 09/07/2054	मंगल21/06/2071	राहु 22/11/2088	गुरु 02/10/2098	00/00/0000
मंगल15/06/2055	राहु 27/04/2074	गुरु 28/02/2091	शनि 11/11/2099	00/00/0000
राहु 07/11/2057	गुरु 07/11/2076	शनि 07/11/2093	बुध 08/11/2100	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरुपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरुपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।